हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 21 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना से पशुपालकों को मिलेगा आर्थिक संबल

मण्डला। मध्यप्रदेश शासन द्वारा पशुपालकों एवं किसान भाइयों के लिए संचालित ''आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना'' ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। योजना के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को गौपालन एवं डेयरी इकाइयों की स्थापना के लिए बैंक ऋण तथा अनुदान का लाभ प्रदान किया जा रहा है। योजना के तहत न्यूनतम 5 पशुओं के पालन के लिए 1 एकड़ भूमि रखने वाले हितग्राही पात्र होंगे। परियोजना लागत का 75 प्रतिशत तक बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जिस पर मात्र 5 प्रतिशत ब्याज दर लागू होगी। प्राप्त ऋण के ब्याज का भुगतान विभाग द्वारा 7 वर्षों तक किया जाएगा, जिससे पशुपालकों पर आर्थिक बोझ कम होगा। योजना में सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को परियोजना लागत का 25 प्रतिशत, अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक मार्जिन मनी सहायता प्रदान की जाएगी। वहीं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को 33 प्रतिशत, अधिकतम 2 लाख रुपये तक की सहायता उपलब्ध होगी। पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने जिले के किसानों और पशुपालकों से योजना का अधिकाधिक लाभ लेने की अपील की है। योजना संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए निकटतम पशु चिकित्सा अधिकारी, पशु औषधालय के प्रभारी अथवा उपसंचालक, पशु चिकित्सा विभाग से संपर्क किया जा सकता है।

हायर सेकेंडरी में स्मार्ट क्लास से चलेंगी जेईई-नीट की फ्री कोचिंग

12वीं के बाद ही बनता है कॅरियर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

*** 11वीं से शुरू करें तैयारी-कलेक्टर।**

कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने कहा कि विद्यार्थियों के करियर की असली दिशा 12वीं के बाद तय होती है, इसलिए 10वीं के बाद ही मेधावी बच्चों को चिन्हित कर उनमें प्रतियोगिता का भाव विकसित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि रूटीन पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का स्वरूप अलग-अलग होता है। कलेक्टर श्री धोटे जिला योजना भवन में आयोजित हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

गुणवत्तायुक्त शिक्षा और बेहतर गाइडेंस पर जोर

कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि हमारा उद्देश्य 10वीं-12वीं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ 12वीं के बाद चिन्हित मेधावी बच्चों को देश के अच्छे संस्थानों में प्रवेश दिलाना है। इसके लिए विद्यार्थियों को करियर के लिए उचित और प्रभावी मार्गदर्शन देना होगा। उन्होंने सभी प्राचार्यों को निर्देश दिए कि वे अपने विद्यालय में 11वीं और 12वीं के होनहार विद्यार्थियों का चिन्हांकन करें। 11वीं के बच्चों के लिए दो वर्षीय और 12वीं के बच्चों के लिए वर्षीय पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

जुलाई से शुरू होंगी वीडियो क्लासेस, साप्ताहिक टेस्ट भी

बैठक में एपीसी शिक्षा श्री मुकेश पाण्डेय ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निजी ऑनलाइन कोचिंग संस्थान से करार किया गया है। सभी हायर सेकेंडरी स्कूलों की स्मार्ट क्लास में वीडियो क्लासेस चलाई जाएंगी। ये कक्षाएं स्कूल शुरू होने से एक घंटा पहले और नियमित कक्षाओं के बाद एक घंटे तक संचालित होंगी। हर सप्ताह टेस्ट आयोजित कर बच्चों की समझ का आंकलन किया जाएगा। यह व्यवस्था जुलाई से शुरू होकर नवंबर-दिसंबर तक चलेगी। जेईई और नीट परीक्षाओं के बाद कक्षाएं बंद कर दी जाएंगी, ताकि विद्यार्थियों को प्री-बोर्ड और बोर्ड परीक्षा की तैयारी का पूरा समय मिल सके।

कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि शिक्षक बच्चों में आत्मविश्वास जगाएं और प्रतियोगी माहौल बनाएं। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े, डीपीसी श्री कुलदीप कठल, मंडल संयोजक जनजातीय कार्य श्री विष्णु सिंगौर, बोर्ड परीक्षा प्रभारी श्री महेन्द्र श्रीवास सहित जिले के सभी हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्य मौजूद रहे।

जिले के किसानों को मिला किसान निधि का लाभ

*** कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में आयोजित हुआ कार्यक्रम।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 23वीं किस्त जारी करते हुए देशभर के 9.44 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 18,880 करोड़ रुपये की राशि सीधे अंतरित की। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर में आयोजित राज्य स्तरीय पश्चिम बंग दिवस समारोह में प्रधानमंत्री ने सिंगल क्लिक के माध्यम से यह राशि किसानों के खातों में भेजी।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने डिजिटल कृषि मिशन का शुभारंभ भी किया। किसानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के समावेश, उत्पादकता वृद्धि और किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। डिजिटल कृषि मिशन किसानों को तकनीक आधारित सेवाओं से जोड़कर खेती को अधिक लाभकारी और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

जिला मुख्यालय मंडला में भी इस राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद मंडला के अध्यक्ष विनोद कछवाहा, कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे, अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम सहित जिले के प्रगतिशील कृषकों ने प्रधानमंत्री के उद्बोधन का श्रवण किया।

कार्यक्रम के समापन पर नगर पालिका अध्यक्ष एवं कलेक्टर द्वारा उपस्थित कृषकों का सम्मान किया गया तथा उन्हें कृषि क्षेत्र में नवाचार एवं आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अस्पताल में बांटे फल और बिस्किट.....

नारायणगंज। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख नेता राहुल गांधी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नारायणगंज एवं युवा कांग्रेस नारायणगंज द्वारा एक जनसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) पहुँचकर वहाँ भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात की और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए फल एवं बिस्किट का वितरण किया। इस सेवा कार्य के दौरान संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों से लेकर युवा कार्यकर्ताओं तक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला सचिव संदीप सोनी, ब्लॉक अध्यक्ष राजुल ज्योतिषी, नारायणगंज मंडलम अध्यक्ष विपिन सोनी, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष रितेश सोनी, और ब्लॉक अध्यक्ष प्रियांश अग्रवाल उपस्थित रहे। अस्पताल में मरीजों की सेवा करते हुए नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी जी के जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाना ही उनके प्रति सच्ची शुभकामना है। इस अवसर पर कार्यालय प्रभारी हिरदेश साहू, मयूर श्रीवास, युवा कांग्रेस शहर अध्यक्ष बसंत चक्रवर्ती, मनीष सिंगरुर, वरिष्ठ कांग्रेसी राजाराम कुड़ापे, गुड्डा अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन एवं युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

माहिष्मती घाट पर होगा जिला स्तरीय योग अभ्यास, मंत्री श्रीमती संपतिया उईके होंगी शामिल

*** योग दिवस पर ही तीन जगह लगेंगे वृहद रक्तदान शिविर।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

विश्व योग दिवस के अवसर पर रविवार 21 जून को जिले भर में सामूहिक योग अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम नगर के माहिष्मती घाट पर सुबह 6 बजे से होगा। कार्यक्रम में प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके शामिल होंगी।

रामनगर के मोती महल सहित कई जगह होंगे आयोजन

जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में माहिष्मती घाट के अलावा जिले के विभिन्न अंचलों में भी योग सत्र आयोजित किए गए हैं। रामनगर स्थित ऐतिहासिक मोती महल परिसर में भी सामूहिक योग अभ्यास कराया जाएगा। इसके साथ ही जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में भी विद्यार्थियों के लिए विशेष योग सत्र रखे गए हैं।

तीन स्थानों पर रक्तदान शिविर, सुबह 8 बजे से शुरुआत

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि योग दिवस के अवसर पर ही जिले में वृहद रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया है। सुबह 8 बजे माहिष्मती घाट पर मंत्री श्रीमती संपतिया उईके शिविर का शुभारंभ करेंगी। इसके बाद ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम स्कूल और जिला चिकित्सालय में दिनभर रक्तदान शिविर चलेगा। दोनों कार्यक्रमों में मंत्री श्रीमती उईके की मौजूदगी रहेगी। प्रशासन ने नागरिकों से योग अभ्यास और रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

स्थाई शिक्षा समिति समिति की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जनपद पंचायत सभागार में स्थाई शिक्षा समिति जनपद पंचायत नारायणगंज की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सभापति अविनाश शर्मा द्वारा की गई तथा विकासखण्ड नारायणगंज के समस्त HS, HSS विद्यालय के प्राचार्य, एवं समिति सदस्यों की उपस्थिति रही।

बैठक में विद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक एवं विकासात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। नवीन प्रवेश (नामांकन) की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक विद्यार्थियों के नामांकन हेतु आवश्यक प्रयास करने का निर्णय लिया गया। विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाओं, निःशुल्क गणवेश, पाठ्यपुस्तकों, साइकिल वितरण तथा अन्य शैक्षणिक सामग्री की उपलब्धता पर भी चर्चा की गई।

बैठक में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए सत्र 2026-27 में बेहतर परिणाम प्राप्त करने हेतु विशेष रणनीति बनाने पर जोर दिया गया। आगामी परीक्षाओं की तैयारी, अध्ययन-अध्यापन की गुणवत्ता तथा विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने संबंधी सुझाव भी दिए गए।

विद्यालय परिसर की स्वच्छता, पेयजल, शौचालय, खेलकूद एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की व्यवस्था पर चर्चा की गई। विद्यालय में संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा उन्हें समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण एवं जल संवर्धन हेतु हेतु अभियान जिसमें एक पेड़ मां के नाम के तहत सीड बाल बनाकर वर्षाकाल में वृक्षारोपण तथा संस्था परिसर में शोक पिट, वाटरहारवेस्टिंग आदि का निर्माण कर वर्षा जल संचयन भी शामिल है। विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने का निर्णय लिया गया। सभापति द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी नारायणगंज द्वारा विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों के सफल संचालन हेतु आवश्यक तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया।

अनदेखी | बारिश शुरू होते ही नारायणगंज नगर में बढ़ी परेशानी।

खुले नाले-नालियां दे रहे हादसों को न्यौता

*** शिकायतों के बावजूद नहीं हो रही कार्रवाई।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया उर्फ नारायणगंज नगर में नाले-नालियों की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। बारिश का मौसम शुरू होने के बावजूद पंचायत प्रशासन द्वारा नालियों की नियमित सफाई और मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नालों का गंदा पानी सड़कों पर बहने लगा है, जिससे आवागमन में कठिनाई होने के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी खतरा बढ़ गया है।

ग्रामीणों के अनुसार इस गंभीर समस्या को लेकर पंचायत एवं जनपद स्तर पर कई बार मौखिक और लिखित शिकायतें की गई हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। परिणामस्वरूप नगर के कई क्षेत्रों में जल निकासी व्यवस्था चरमरा गई है।

खुले चेंबर और नाले बने खतरे का कारण

नगर में कई स्थानों पर नालों के चेंबर खुले पड़े हुए हैं, जो आम नागरिकों के लिए दुर्घटना का कारण बन रहे हैं। इन चेंबरों में कचरा और पॉलीथिन जमा होने से जल निकासी बाधित हो रही है तथा कई स्थानों पर नाले जाम हो गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आए दिन लोग इन खुले चेंबरों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं, लेकिन पंचायत द्वारा उन्हें ढंकने या सुरक्षित करने की कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है।

स्वच्छता अभियान पर उठ रहे सवाल

एक ओर पूरे देश में स्वच्छता अभियान को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं नारायणगंज नगर में इसकी स्थिति चिंताजनक दिखाई दे रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत का ध्यान बाजार एवं अन्य करों की वसूली पर अधिक केंद्रित है, जबकि नाली सफाई, सड़क रखरखाव और स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की ओर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

नगरवासियों ने पंचायत प्रशासन से मांग की है कि बारिश के मौसम को देखते हुए नालियों की तत्काल सफाई कराई जाए, खुले चेंबरों को सुरक्षित ढंग से बंद कराया जाए तथा जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि संभावित दुर्घटनाओं और जनसमस्याओं से बचा जा सके।

धमाचौकड़ी मचा रहे रेत से भरे हाइवा और डम्फर

*** रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर मौन है प्रशासन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

तेज रफ्तार, ओवरलोड, गीली रेत भरकर बेलगाम भागते डम्फर और हाइवा जैसे वाहन अब जिले की पहचान बन चुके हैं। ये न केवल जिले की प्रशासनिक व्यवस्था की कलई खोलते हैं बल्कि उन विभागों के अधिकारियों के स्वाभिमान पर भी प्रश्न खड़े करते हैं जिन पर इस तरह की अवैध गतिविधियों को रोकने की जिम्मेदारी है।

कल इसी तरह एक रेत से भरा डम्फर बेलगाम होकर एक दुकान और घर के ऊपर पलट गया वह तो ईश्वर की कृपा थी कि उस दौरान घर और दुकान पर कोई था नहीं अन्यथा उनका बचना मुश्किल ही था। इसी तरह कुछ दिन पूर्व ऐसे ही रेत से भरे एक हाइवा ने बरेला के पास एक कार को अपनी चपेट में ले लिया और उसे लगभग 500 मीटर तक घसीटते ले गया परिणाम यह हुआ कि कार में आग लग गई और उसमें सवार दोनों युवकों की वहीं जलकर मौत हो गई।

ये वाहन बेलगाम गति से इसीलिये भागते हैं क्योंकि जितने ज्यादा चक्कर ये लोग रेत भरकर ले जायेंगे उतना ही इनको पुरूष्कार मिलता है और यही कारण है कि ये हाइवा चालक नशे की हालत में वाहन चलाते हैं और दुर्घटना का कारण बनते हैं।

खबर संक्षेप

गांवों के स्वास्थ्य केन्द्रों में डॉक्टर सहित कर्मियों को खोज पाना हो रहा मुश्किल?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र के अंतर्गत अनेक गांवों में अनेक शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापति किये गये है, मगर यदि ईमादारी से देखा जावे तो इन शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ चरमरा रही है? एक तरफ मौसमी बीमारियों का प्रकोप होने के साथ साथ इस समय अन्य नये प्रकार की दहशत संपूर्ण क्षेत्रवासियों को दहशत में डालने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य कमी नर्स व मलेरिया वर्कर अपने मुख्यालय से गायब रहतें है? ऐसे में टीकाकरण सहित शासन द्वारा ग्रामीणजनों के नाम पर चलाई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का क्या हाल होगा इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। शायद ही इसका किसी के पास कोई जबाव हो? वही दूसरी ओर देखा जावे तो इस समय लगातार फैल रही मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ते हुये क्रम में देखने मिल रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई प्रसूताओं व शिशुओं के लिए टीकाकरण में भी देखने मिल रही है जो ग्रामीण क्षेत्रों में शायद ही कभी निर्धारित तिथि पर लगते हुये देखे जा रहे हो..? इस सच्चाई को लेकर बताया जाता है कि गॉवों में प्रसूताओं को नर्से बजाय शासकीय दवाएँ उपलब्ध कराने के बाजार की दवाएँ मगवाती है । जबकि गौर किया जावे तो राज्य सरकार का कहना है कि अस्पातालों के भण्डारण में सभी आवश्यक दवाएँ उपलब्ध है मगर इसके बाद भी प्रसूताओं एवं रोगियों के लिए ये दवाएँ गॉवों में पहुँच रही है कि नही इस बात का पता नही चल रहा है कि आखिर में ग्रामीणों को मिलने वाले दबाईयाँ कहा चली जाती है? इस प्रकार से प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीणों के हितों को ध्यान में रखते हुए चलाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की योजनाओं पर जहां प्रश्न चिन्ह लगते हुए जान पड़ रहा है? वही दूसरी ओर लोगों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित स्वास्थ्य केन्द्रो से लाभ नही मिलने की स्थिति में वह भटकते हुए देखे जा रहे है?

क्षेत्र में कागजों में चल रहे अनेक आंगनबाडी केंद्र

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। शहरों के साथ साथ सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं व बच्चों को अनेक प्रकार के लाभ देने के उद्वेश्य से करोड़ो रूपया खर्च आगंनवाड़ी केन्द्रो की स्थाना की गई है। मगर देखनें में आता है कि ग्रामीण अंचलों मे संचालित आंगनबाडियों का फायदा महिलाओं,बच्चों को नही मिल पा रहा है..? जबकि इनके लिए सरकार करोडो रूपए खर्च कर योजनाए बनाती है। इस बात की सच्चाई इस समय समीपस्थ जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत अनेक गांवों में संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केन्द्रो में आसानी से देखने मिली सकती है। बताया जाता है कि क्षेत्र के अनेक आंगनबाडियों में मासूम बच्चों को न तो पौष्टिक आहार मिलता और न पढाई सुविधा मिल रही है। वही गर्भवती महिलाओं को इन केन्द्रों से समय समय पर जो लाभ मिलना चाहिए था वही भी नही मिल पा रहा है। जबकि केन्द्रों के कागजों के हिसाब से देखा जावे तो उनकी खाना पूर्ति पूर्णरूप से होती रहती है। ग्रामीणों का आरोप है कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी व केंद्र प्रभारियों की सांठगांठ से फर्जी बिल,आंकडे तैयार कर प्रतिवर्ष लाखों रूपए गोलमाल किये जाने की चर्चाये आम बात होती चली जा रही है।

अब शहर सहित क्षेत्र के सांईखेड़ा गाडरवारा व ककराघाट मार्ग सहित एनटीपीसी क्षेत्र की सड़कों पर सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक बंद रहेंगे भारी वाहन

जिला कलेक्टर ने दिया नो एन्ट्री का आदेश, हरिभूमि द्वारा अनेकों बार यह मुद्दा प्रमुखता के साथ किया था उजागर

हरिभूमि
क्षेत्र के ढ़ाबों से लेकर मुख्य मार्ग के दोनों ओर खड़े रहने वाले वाहन आमजन की जिन्दगी के लिये बन रहे दुश्मन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं के दौरान देखने मिल रहा था कि सड़को पर दौड़ने वाली भारी वाहनों के चलते यह घटनाये सामने आ रही है। क्योंकि क्षेत्र की सड़को की वह क्षमता नही है जिन पर इस बडे बडे वाहन दौड़ते हुये देखे जा रहे है। मुख्य रूप से देखा जावे तो एनटीपीसी से निकलने वाली राख तथा कोयल परिवहन करने के लिये देश के अनेक प्रांतों के वाहन यहां पर क्षेत्र की सड़को की क्षमता से भी अधिक भारी वाहन धमाचौकड़ी मचाये हुये है। इस स्थिति में आये दिन सड़क दुर्घटनायें सामने आने के चलते लोगों में रोष देखने मिल रहा था। इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा समय समय पर प्रमुखता के साथ उजागर करते हुये अधिकारियों तक बात पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। इसी के चलते बीते हुये दिवस जिला कलेक्टर द्वारा गाडरवारा से सांईखेड़ा व गाडरवारा सहित ककरा घाट मार्ग के साथ साथ एनटीपीसी क्षेत्र की सड़को पर कोयला, फ्लाई ऐश, खनिज वाहक एवं अन्य भारी मालवाहक वाहनो पर निर्धारित समय के लिये नो एन्ट्री आदेश जारी किया गया है। बताया जाता है कि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत क्षेत्र में सड़क मार्गों से कोयला, फ्लाई ऐश, खनिज वाहक एवं अन्य भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन विनियमित करने के उद्देश्य से यहआदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक कोयला, फ्लाई ऐश तथा अन्य खनिजों का परिवहन करने वाले सभी भारी वाहनों का संचालन केवल वैध परमिट/ बिल्टी/ ईटीसी प्राप्त करने के उपरांत ही किया जाएगा। वही कोयले एवं फ्लाई ऐश का परिवहन केवल तिरपाल से पूरी तरह ढके हुए बंद वाहनों से ही किया जाएगा। परिवहनकर्ता द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य होगा कि वह परिवहन के दौरान लोड किया गया फ्लाई ऐश, कोयला, कोयले की डस्ट या स्टोन डस्ट किसी भी दशा में सड़क पर न गिरे और ना ही वातावरण में फैले। इसके अतिरिक्त फ्लाई ऐश या कोयला डस्ट खाली करके लौटते समय भी वाहनों से बचे हुए अवशेष मटेरियल के उड़ने की प्रबल संभावना रहती है। अतः अनिवार्य रूप से खाली वाहनों के भीतर पानी का प्रभावी छिड़काव करने एवं उन्हें पुनः तिरपाल से अच्छी तरह से ढंकने के उपरांत ही वाहन गंतव्य के लिए वापस लौटेंगे। फ्लाई ऐश, कोयला, कोयले की डस्ट या स्टोन डस्ट एवं अन्य खनिजों का परिवहन करने वाले सभी वाहनों की अधिकतम सीमा 30 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक नहीं होगी। कोयला एवं राखड़ (फ्लाई ऐश) का परिवहन करने वाले वाहनों के पास सम्पूर्ण वैधानिक दस्तावेज तथा संबंधित वाहन चालक के पास भारी वाहन चलाने का वैध (जीवित) ड्राइविंग लायसेंस होना अनिवार्य है। जारी आदेश के अनुसार गाडरवार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न मार्गों से होकर कोयला, राखड़ (फ्लाई ऐश), खनिज रेत, गिट्टी एवं अन्य भारी माल वाहक वाहनों का आवागमन विनियमित करने के लिए प्रवेश निषेध का समय निर्धारित किया गया है। गाडरवारा शहरी क्षेत्र एवं गाडरवारा से सांईखेड़ा मार्ग के तहत समस्त नगरीय सीमा के मुख्य मार्ग, मुख्य बाजार क्षेत्र एवं गाडरवारा-सांईखेड़ा मुख्य मार्ग के लिए प्रातः 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक, तेंदूखेड़ा-गाडरवारा मार्ग यानि ककराघाट मार्ग के तहत समस्त नगरीय सीमा के मुख्य मार्ग, तेंदूखेड़ा-गाडरवारा मुख्य मार्ग के लिए प्रातः 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक और एनटीपीसी प्रभावित ग्रामीण क्षेत्र के तहत ग्राम गांगई, डोंगरगांव, चोरबरहेटा, कुड़ारी, रायपुर, कल्याणपुर चीचली एवं सम्पर्क मार्ग के लिए प्रातः 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक इन भारी वाहनों को प्रवेश निषेध किया गया है। जारी उक्त आदेश के किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने, अनुपालन में लापरवाही बरतने, मिथ्या अथवा भ्रामक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने या ऐसी स्थिति उत्पन्न करने, जिससे मानव जीवन, स्वास्थ्य, सम्पत्ति, परियोजना प्रमुख, खदान प्रबंधन, ट्रांसपोर्टर एवं अन्य उत्तरदायी व्यक्तियों/ संस्थाओं/ अधिकारियों के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986, वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 खान एवं खनिज संबंधी प्रासंगिक विधिक प्रावधानों तथा अन्य लागू विधियों के अंतर्गत दांडिक, सिविल एवं वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ऐसी किसी भी घटना से उत्पन्न भ्रांति, राहत, पुनर्वास, सफाई, बहाली एवं पर्यावरण पुनर्स्थापन पर होने वाला समस्त व्यय संबंधित परियोजना/ प्रतिष्ठान/ ट्रांसपोर्टर से वसूल की जाएगी और आवश्यकतानुसार संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही भी निर्धारित की जाएगी। यह भी देखने में आया है कि कई बार भारी वाहनों को सड़क पर लापरवाही पूर्वक खड़े रखने से दुर्घटनाएं होती है। अतः भविष्य में यदि किसी भारी वाहन को अनावश्यक रूप से सड़क पर खड़े रखने के कारण कोई दुर्घटना होती है तो संबंधित भारी वाहन की उपयुक्तता तथा वाहन संचालन की अनुमति निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश वर्तमान परिस्थितियों एवं संभावित जोखिमों के दृष्टिगत रखते हुए जन सुरक्षा, जन स्वास्थ्य, लोक शांति एवं लोक हित में तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना आवश्यक है और जिन व्यक्तियों/ संस्थाओं को यह निर्दिष्ट है। यह आदेश जिला कलेक्टर द्वारा तत्काल प्रभाव से लागू करने के साथ साथ कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सिंह ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को इस आदेश का प्रचार- प्रसार ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों के माध्यम से तथा संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारी अपने सभी उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में कराना सुनिश्चित करेंगे। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र में विभिन्न पावर परियोजनाओं की स्थापना, उत्खनन गतिविधियों एवं बढ़ते औद्योगिकीकरण के फलस्वरूप सड़क मार्गों से कोयले, पावर परियोजनाओं से उत्सर्जित फ्लाई ऐश व अन्य खनिजों का व्यापक पैमाने पर परिवहन किया जा रहा है। इससे एक ओर जहां पर्यावरण प्रदूषण की स्थिति निर्मित हो रही है। वहीं सड़क मार्गों पर भारी वाहनों के निरंतर आवागमन के कारण सड़क दुर्घटनाओं की भी आशंका बनी रहती है। कोयला, फ्लाई ऐश एवं अन्य खनिजों का परिवहन करने वाले तथा अन्य भारी माल वाहक वाहनों के आवागमन के कारण शहरी क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी सामान्य यातायात अवरूद्ध होता है। जिससे आम जनता एवं छात्रों के आवागमन में व्यवधान उत्पन्न होता है। इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं के कारण जान-माल की क्षति होने से कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित होती है। कोयला फ्लाई ऐश एवं अन्य खनिजों के परिवहन से होने वाले वायु प्रदूषण के कारण मानव जीवन, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो सकता है तथा व्यापक जनजानि, सम्पत्ति हानि एवं पर्यावरणीय क्षति के साथ- साथ लोक उद्रव व अव्यवस्था की संभावना बनी रहती है। मध्यप्रदेश शासन एवं मानवीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा पर्यावरण प्रदूषण के निवरण के संदर्भ में समय-समय पर जारी आदेशों/ निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन कराया जाना वांछनीय है। उपलब्ध तथ्यों, पूर्व घटनाओं, वर्तमान परिस्थितियों एवं संभावनाओं जोखिमों पर विचार करते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने जन सुरक्षा, जन स्वास्थ्य, लोक शांति एवं लोकहित में पूर्व में जारी आदेशों को समेकित करते हुए नए सिरे से कायेला, फ्लाई ऐश एवं अन्य खनिजों के भारी मालवाहक वाहनों के आवागमन को विनियमित किया जाना आवश्यक है, जिस पर उन्होंने यह आदेश जारी किया है। जिला कलेक्टर के आदेश से जहां क्षेत्र के लोगों द्वारा अपनी जिन्दगी को सुरक्षित महसूस करते हुये हर्ष व्यक्त किया जा रहा है। मगर लोगों का कहना है कि सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या जिला कलेक्टर महोदय के इस आदेश का पालन हो पायेगा...? क्योंकि पूर्व में भी जारी किये गये आदेश मात्र कागजों की खानापूर्ति तक सीमित रहते हुये औपचारिकता पूर्ण साबित होने से नही चूक पाये है..? यदि इस आदेश का पालन होता है तो निश्चित तौर से क्षेत्र की सड़को पर घटित होने वाली दुर्घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लग जावेगा।

किसानों की समृद्धि ही प्रदेश और देश की प्रगति का आधार है, प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर कृषि क्षेत्र में परिवर्तन ला रही है- मंत्री उदय प्रताप सिंह

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने नगर में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला को संबोधित कहा कि प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही है। हमारे देश में हरित क्रांति से फसलों के उत्पादन में वृद्धि हुई, अब प्राकृतिक खेती से भूमि की उर्वरकता क्षमता बढ़ेगी और फसलों का उत्पादन अच्छा और गुणवत्तायुक्त होगा। यह प्राकृतिक खेती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री सिंह शनिवार को स्थानीय पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम में कृषि विभाग द्वारा आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होने कहा कि हमारा जिला कृषि के क्षेत्र में पूरे प्रदेश को मार्गदर्शन देने वाला जिला है। हमारे जिले की भूमि सबसे उपजाऊ है, जल की उपलब्धता है, अनुकूल जलवायु है और बजार भी उपलब्ध है। जिससे जिले के किसान समृद्ध और सम्पन्न हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश में कृषि और किसानों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर किसानों की लागत कम करने, भूमि की उर्वरता बढ़ाने तथा पर्यावरण संरक्षण के साथ कृषि को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इस मौके पर उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने, आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग करने तथा शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने का आग्रह किया। किसानों की समृद्धि ही प्रदेश और देश की प्रगति का आधार है। मंत्री सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की उपज को समर्थन मूल्य पर खरीद कर उन्हें प्रोत्साहित करती है। भावांतर योजना के माध्यम से किसानों को फसलों का उचित मूल्य दिया गया है। उन्होंने खरीदी केन्द्रों में किसानों की फसलों को खरीदने, परिवहन, भंडारण और नीलामी की प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया। वही मंत्री सिंह ने कहा कि हमारे पूर्वज हमेशा खेतों में जैविक खाद का उपयोग करते थे। इस दौरान किसानों को सलाह दी कि अपने खेतों में रासायनिक खाद का उपयोग कम मात्रा में करें और जैविक खाद को बढ़ावा दें। जैविक खाद से तैयार होने वाली फसलें गुणवत्तायुक्त होती है। जिससे हम बीमार नहीं होंगे, स्वस्थ रहेंगे और हमारा जीवन निरोग रहेगा। इस मौके पर उन्होंने प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए सभी किसानों को मार्गदर्शन देने की सलाह दी। मंत्री सिंह ने यूरिया, डीएपी एवं अन्य उर्वरक और जैविक खाद तैयार करने में व्यय राशि के मूल्य का अंतर बताते हुए कहा कि किसानों को जैविक खाद बनाना सस्ता पड़ेगा। हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहजता से कठिन चुनौतियों का सामना करते हैं। मोदी ने देश के प्रत्येक नागरिक का प्रधानमंत्री जन-धन योजना के माध्यम से बैंकों में खाते खुलवाएं, जिससे वे बैंकों से लेन-देन कर आर्थिक समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ सके। मंत्री सिंह ने कहा कि हमारी सरकार ने महिलाओं को पुरूषों के बराबर हक और अधिकार देने का काम किया है। यहीं वजह है कि आज महिलाएं प्रशासनिक सेवा, देश सेवा, विज्ञान, चिकित्सा और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं। प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जा रही है। जिससे सभी वर्ग के लिए सम्पत्ति, उत्तराधिकार, भरण-पोषण, विवाह विच्छेद इत्यादि विषयों पर समान रूप से कानून लागू किया जा सके। इस दौरान उन्होंने उपस्थित सभी नागरिकों से समान नागरिक संहिता-(यूसीसी) में अपनी राय देने को कहा। इस कार्यक्रम को मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को पूर्ण संकल्प के साथ प्राकृतिक खेती को अपनाना होगा। प्राकृतिक खेती से भूमि की उर्वरकता क्षमता बढ़ती है और फसलें गुणवत्तायुक्त होती हैं। प्रदेश सरकार का अभियान है कि जल का संरक्षण करें, पौधे लगाएं और गौवंश की रक्षा करें, यह मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण कारक है। उन्होंने कहा कि हमारा जिला कृषि के क्षेत्र में सम्पन्न जिला है। जिले में किसानों के लिए विभिन्न फेक्ट्री, मिल संचालित हो रही हैं। कृषि वैज्ञानिक किसानों को प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। जिले में दुग्ध उत्पादन भी बढ़ा है। उन्होंने सभी किसानों से आग्रह किया कि अपने खेतों में प्राकृतिक खेती अनिवार्य रूप से करें। इस मौके पर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती वर्तमान समय की मांग है। प्राकृतिक खेती में किसान जैविक खाद का उपयोग करते हैं। इससे भूमि की उर्वरकता क्षमता बढ़ती है और फसलों का उत्पादन गुणवत्ता युक्त होता है। किसानों को प्राकृतिक खेती की दिशा में प्रेरित करने के लिए राष्ट्रीय अभियान चलाया जा रहा है। प्राकृतिक खेती के लिए किसानों का चयन किया जा रहा है, क्लस्टर बनाए जा रहे हैं। किसानों को अपशिष्ट पदार्थों से जैविक खाद तैयार करने की विधि के बारे में बताया जा रहा है। जिससे किसान केचुआ खाद, अपशिष्ट खाद व गोबर खाद तैयार कर सके। आयोजित कार्यशाला में मंत्री सिंह ने प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक नरेश पाठक, मुकेश मरैया, मिनेन्द्र डागा, जिला पंचायत सदस्य डॉ. योगेश कौरव, चीचली भाजपा मंडल अध्यक्ष राम नरेश कौरव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, उप संचालक कृषि मोरिस नाथ सहित अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक और किसान मौजूद थे।

उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित हुई विकास खण्ड स्तरीय कुकिंग प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजनांतर्गत बीते हुये दिवस विकासखण्ड स्तरीय रसोइया (कुक-कम-हैल्पर्स) कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय चीचली में किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य मध्यान्ह भोजन में स्थानीय खाद्य सामग्री, मिलेट्स, दालों एवं अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों से स्वस्थ, स्वच्छ एवं पोषणयुक्त व्यंजनों के निर्माण को प्रोत्साहित करना रहा। इस प्रतियोगिता का आयोजन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत चीचली अभिषेक गुप्ता, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी वीरेन्द्र सिंह राजपूत एवं विकास खण्ड स्रोत समन्वयक डी.के. पटेल के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में विकास खंड चीचली के अंतर्गत आने वाली विभिन्न शालाओं के रसोइयों ने उत्साह पूर्वक सहभागिता करते हुए पौष्टिक एवं आकर्षक व्यंजन प्रस्तुत किए। वही आयोजन में आगंतुक अतिथियों में चंद्रकांत गुप्ता, के एल साहू, नीरज पैगवार, संतोष चौरसिया द्वारा अपने उद्बोधन के साथ विभिन्न स्टालों का अवलोकन करते हुए रसोइयों द्वारा बनाई गई खाद्य सामग्री का स्वाद चखा। एवं इस आयोजन की सराहना की। आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं हेतु प्राचार्य भूपेश ठाकुर, सत्यम ताम्रकार, भारत ताम्रकार, सुनील सोनी, अरुण दुबे, संजय सोनी, बुलंद कुशवाहा, दिनेश चौरसिया, गिरीश ताम्रकार, भूषण साहू, हेमकुमार नामदेव, संजीव तिवारी, मीना दुबे, अलका शर्मा एवं अन्य कर्मचारियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। प्रतियोगिता के मूल्यांकन हेतु गठित निर्णायक समिति में वीरेन्द्र सिंह राजपूत, उमा वर्मन, रमा कौरव, सुलेखा शर्मा, रजनी सराठे, अलका शर्मा तथा साक्षी पटेल शामिल रहीं। वही निर्णायक मंडल द्वारा विभिन्न आयामो के अंतर्गत यथा स्वच्छता, पोषण गुणवत्ता, स्वाद, प्रस्तुतीकरण एवं स्थानीय खाद्य सामग्री के उपयोग के आधार पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया। डेटा विश्लेषण का कार्य अरुण दुबे, सत्यम ताम्रकार, बुलंद कुशवाहा तथा प्रमाण पत्र लेखन कार्य दीपक चौरसिया द्वारा किया। कार्यक्रम के दौरान पंजीयन, मंच व्यवस्था, अतिथि स्वागत, प्रतियोगिता संचालन एवं मूल्यांकन कार्य सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुए। वही प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली रसोइयों को पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। विजयी प्रतिभागियों को प्रथम पुरस्कार 5000 रुपये संख्या एक, द्वितीय पुरस्कार 3000 रुपये संख्या दो, तृतीय पुरस्कार 2000 रुपए संख्या तीन के आलवा सांत्वना पुरस्कार 1000 रुपये संख्या तीन की राशि का चेक के माध्यम से तथा से सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। स्वस्थ भोजन, अच्छा पोषण और खुशहाल बचपन की संकल्पना को साकार करने की दिशा में यह प्रतियोगिता प्रेरणादायी एवं सफल रही।

आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर होंगे स्कूलों में आयोजन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। लोक शिक्षण संचालनालय मप्र भोपाल के निर्देशानुसार पूर्व वर्षानुसार इस वर्ष भी आज 21 जून दिन रविवार को 12 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस वृहद पैमाने पर आयोजित कर मनाया जायेगा। इस दिन क्षेत्रीय स्कूलों मे प्रातः 6 बजे से प्रातः 7.45 बजे तक सामूहिक योग प्रदर्शन आयोजित किया जायेगा। स्कूलों मे कक्षा 6 वी से कक्षा 12 वी तक के बच्चे स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षकों के साथ योग प्रदर्शन करेंगे एवं कक्षा 1 से 5 तक के सिर्फ शिक्षक योग प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा ग्रामीण अंचलो के स्कूलों मे 6 वी से 12 वी तक के बच्चे स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षकों के साथ योग प्रदर्शन करेंगे।

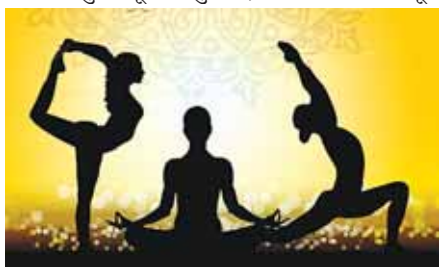

अग्रवाल महिला मंडल द्वारा भगवान को कराया नौका बिहार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर के मंदिरों में आये दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रम आकर्षण का केन्द्र बनने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये दिवस अग्रवाल महिला मंडल द्वारा भगवान को जिस तरह नौका बिहार का कार्यक्रम संपन्न कराया गया वह भी लोगों के बीच आकर्षण का केन्द्र बनने से नही चूक पाया है। बताया जाता है कि नगर के अग्रवाल महिला मंडल के तत्वाधान में श्री देव बांके बिहारी जी के मंदिर में नोका बिहार का आयोजन किया गया। इस दौरान अग्रवाल समाज की महिलाओं ने सुबह से ही मंदिर को फूलों से बहुत ही सुन्दर ढंग से सजाया गया तथा मंदिर में ही तालाब बनाकर तैयार किया गया।शाम के समय भगवान लड्डू गोपाल तथा श्री कृष्ण भगवान को मनमोहक रूप धारण कराते हुये उसके बाद भगवान को नाव में बैठकर नोका बिहार कराया गया। इस मौके पर अग्रवाल समाज की महिलाओं की उपस्थिति सराहनीय रही उसके बाद महिलाओं ने भजन गायन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की सभी महिलाओं के द्वारा सराहना की गई।कार्यक्रम में अग्रवाल महिला मंडल की समस्त पदाधिकारी, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मृदुला अग्रवाल, उपाध्यक्ष कल्पना बंसल, अनुराधा खजांची, सचिव साधना अग्रवाल, सह सचिव प्रीति अग्रवाल, रचना अग्रवाल, संपदा अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष श्वेता अग्रवाल सहित अन्य महिलाये भी मौजूद रही।

जलगंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम भटरा में बावड़ी उत्सव का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत समीपस्थ ग्राम भटरा (सालीचौका) में बावड़ी उत्सव का आयोजन संपन्न हुआ। बताया जाता है कि इस कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम चौपाल के से हुआ। वही आयोजित चौपाल के दौरान जल संरक्षण एवं संवर्धन विषय पर ग्रामीणों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। यह आयोजन मप्र जन अभियान परिषद नरसिंपुर के तत्वाधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बागेश्वरी साहित्य परिषद द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें कवियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन एवं प्रकृति के महत्व पर अपनी रचनाओं का प्रभावशाली काव्य-पाठ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय ने काव्य प्रस्तुति के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश ग्रहण किया। इस मौके पर जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद जय नारायण शर्मा ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुये उन्होंने अभियान के तहत आयोजित किए जा रहे बावड़ी उत्सव के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर कार्यक्रम में माही समाज कल्याण समिति चीचली, हरदौल जन सेवा समिति बसूरिया तथा सूखाखेरी की नवांकुर संस्था भीष्म शिक्षा समिति के प्रतिनिधि, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के परामर्शदाता व विद्यार्थियों ने भी अपनी सहभागिता दी गई। वही कार्यक्रम के अंत में बावड़ी परिसर को रंगोली से सजाया गया तथा दीप प्रज्ज्वलित कर जल संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय ने पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया गया।

खबर संक्षेप

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अमरकंटक के मैकल पार्क में आयोजित होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

अमरकंटक। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित मैकल पार्क में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग निर्धारित की गई है। कार्यक्रम के तहत प्रातः 6 बजे से 7:45 बजे तक सामूहिक योगाभ्यास कराया जाएगा, जिसमें जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक सहभागिता करेंगे। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील करते हुए कहा है कि योग स्वस्थ एवं निरोग जीवन का आधार है। योग दिवस का यह आयोजन न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाएगा, बल्कि समाज में सामूहिक सहभागिता और सकारात्मक जीवनशैली को भी प्रोत्साहित करेगा।

वन अधिकार अधिनियम के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया। वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सामुदायिक परिसंपत्तियों के संरक्षण, रख-रखाव एवं उपयोग के संबंध में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा विकासखंड पाली स्थित माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पाली विकासखंड के राजस्व विभाग के पटवारी, वन विभाग के फॉरेस्ट गार्ड, ग्रामीण विकास विभाग के पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायकों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में लगभग 150 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में कन्या शिक्षा परिसर की प्राचार्य श्रीमती सरिता गुप्ता द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मास्टर ट्रेनर संजय पांडेय ने वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत व्यक्तिगत, सामुदायिक एवं सामुदायिक वन संसाधन संरक्षण एवं प्रबंधन (सीएफआरआर) दावों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सीएफआरआर की संपूर्ण प्रक्रिया, ग्राम स्तरीय समितियों के गठन, आवश्यक प्रपत्रों तथा दावा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को विस्तारपूर्वक समझाया। प्रशिक्षण में श्रीमती पुष्पा तेकाम (ब्लॉक समन्वयक, जन अभियान परिषद पाली), श्रीमती दमयंती ठाकुर (जिला समन्वयक, पेसा), श्री ए.के. शुक्ला (प्राचार्य, कन्या शिक्षा परिसर उमरिया) एवं मास्टर ट्रेनर श्री संजय पांडेय (प्रभारी मंडल संयोजक, मानव जीवन विकास समिति कटनी) द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

फांसी के फंदे पर झूल चुकी महिला को आरक्षकों ने खींच निकाला बाहर

शहडोल। जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र के कुदरा टोला में खाना बनाने जैसी मामूली बात पर उपजा पारिवारिक विवाद उस वक्त खौफनाक मंजर में बदल गया, जब एक महिला ने मौत को गले लगाने के लिए खुद को कमरे में कैद कर लिया, लेकिन धनपुरी पुलिस के आरक्षकों की सूझबूझ ने ऐन वक्त पर मौत के मुंह में हाथ डालकर महिला की जिंदगी को वापस खींच लिया। इस हैरतअंगेज रेस्क्यू का लाइव वीडियो सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।मिली जानकारी के अनुसार, कुदरा टोला निवासी रजू का अपनी पत्नी चरकी से विवाद हुआ था। गुस्से से महिला ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर फांसी लगा ली। परिजनों की चीख-पुकार के बीच सूचना मिलते ही धनपुरी थाने के आरक्षक प्रिंस अग्रवाल और कोमल लोधी मौके पर पहुंचे। स्थिति की भयावहता देख बिना समय गंवाए पुलिसकर्मियों ने दरवाजा तोड़ा और फंदे पर लटक रही महिला को तत्काल नीचे उतारा।

कलेक्टर ने किया आरसेटी डिंडौरी का निरीक्षण, प्रशिक्षणार्थियों का बढ़ाया उत्साह

डिंडौरी।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने शुक्रवार को सेंट्रल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान ;आरसेटीद्ध डिंडौरी का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला अग्रणी प्रबंधक रविशंकरए सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेंद्र कुमार जाटवए एनआरएलएम की जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमती अर्पणा पांडेए डीएम स्किल भगत सिंह आर्मो तथा आरसेटी निदेशक एसएएसए समद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संस्थान में संचालित ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम का अवलोकन किया तथा प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर उनके अनुभवोंए उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संस्थान में संचालित विभिन्न स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा भी की।

कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने संस्थान की व्यवस्थाओंए प्रशिक्षण गतिविधियों एवं प्रशिक्षणार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि कौशल विकास और स्वरोजगार ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाकर स्वयं का रोजगार स्थापित करने तथा अन्य लोगों को भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर आरसेटी अधिकारियों ने संस्थान की विभिन्न गतिविधियोंए प्रशिक्षण उपलब्धियों एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी प्रस्तुत की। कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार.प्रसार सुनिश्चित करनेए प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने तथा अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को प्रशिक्षण से जोड़ने के निर्देश दिए।उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को शासन की जनकल्याणकारी एवं स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं की जानकारी प्रशिक्षणार्थियों तक पहुंचाने के निर्देश भी दिएए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।कार्यक्रम के अंत में आरसेटी निदेशक एसएएसए समद एवं संस्थान के समस्त स्टाफ ने कलेक्टर तथा उपस्थित अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

करंजिया में डीपीसी ने की शिक्षा योजनाओं की समीक्षा

शिक्षकों से योजनाओं के शत.प्रतिशत क्रियान्वयन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर दिया जोर

डिंडौरी।

जिला शिक्षा केंद्रए सर्व शिक्षा अभियान डिंडौरी के नवागत जिला परियोजना समन्वयक ;डीपीसीद्ध दिवाकर तिवारी ने शुक्रवार को करंजिया विकासखंड का दौरा कर शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान आयोजित खंड स्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।करंजिया पहुंचने पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं बीआरसी अजय राय ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। समीक्षा बैठक में डीपीसी तिवारी ने स्कूल चले हम अभियान के तहत प्रवेश उत्सवए मध्याह्न भोजन योजनाए पाठ्यपुस्तक वितरणए साइकिल वितरण सहित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया।

उन्होंने विकासखंड में योजनाओं के सुचारू संचालन पर संतोष व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के अपार आईडी एवं आधार पंजीयन में शत.प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के लिए शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के अमले की सराहना की।बैठक को संबोधित करते हुए दिवाकर तिवारी ने कहा कि शासन की सभी योजनाओं का लाभ पात्र विद्यार्थियों तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कार्यए अनुशासनए पारदर्शिता एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि डिंडौरी जिले को शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे।विकासखंड शिक्षा अधिकारी अजय राय ने नए शैक्षणिक सत्र के लिए सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए टीम भावना के साथ कार्य करने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया।बैठक में बीएसी रामगोपाल झारियाए राजेश वालरेए सुनील नामदेवए सीएसी अशोक साहूए विजय यादवए सुनील कुमार नागेश्वरए संकुल प्राचार्य झनकी राम कुमार गर्गए प्रधानपाठक एवं विकासखंड के शिक्षक तथा शैक्षणिक अमला उपस्थित रहा।

नर्मदांचल गौ सेवा समिति ढोंढ़ा में हुआ प्रशिक्षण एवं कृषक

आत्मा परियोजना के तहत किसानों ने सीखी प्राकृतिक खेती की तकनीकें

शहपुरा।

आत्मा परियोजना एवं नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के अंतर्गत शनिवार को जिले के किसानोंए कृषि सखियों तथा कृषि विभाग के मैदानी अमले का एक दिवसीय कृषक भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम नर्मदांचल गौ सेवा समितिए ढोंढ़ा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राकृतिक एवं गौवंश आधारित जैविक खेती की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।कार्यक्रम में भारतीय किसान संघ डिंडौरी के जिलाध्यक्ष एवं जैविक कृषि विशेषज्ञ बिहारी लाल साहू ने अपने जैविक फार्म हाउस में किसानों को प्राकृतिक खेती की अवधारणाए इसके लाभ एवं व्यवहारिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जैविक उत्पाद मानव स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होने के साथ.साथ मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भ्रमण के दौरान किसानों को केंचुआ खादए वर्मीवॉशए जीवामृतए अग्नि अस्त्रए बीज उपचार सहित जैविक कृषि से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं का प्रदर्शन कर जानकारी दी गई। साथ ही जैविक पद्धति से उगाई जा रही सब्जियोंए फलोंए धान की नर्सरी एवं अन्य फसलों का अवलोकन कराया गया।बिहारी लाल साहू ने किसानों से कम से कम एक एकड़ भूमि में प्राकृतिक एवं गौवंश आधारित खेती की शुरुआत करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि जैविक खेती से उत्पादन लागत कम होती है तथा गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित खाद्यान्न प्राप्त होता है।

प्रशिक्षण के दौरान गोबर गैस ;बायोगैसद्ध संयंत्र की कार्यप्रणाली की भी जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि पशुओं के गोबर से तैयार बायोगैस घरेलू ईंधन के रूप में उपयोगी है तथा इससे एलपीजी की खपत में कमी लाई जा सकती है। इसके साथ ही जीवामृत निर्माण इकाई का भी व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया।उल्लेखनीय है कि बिहारी लाल साहू पिछले एक दशक से जैविक खेती के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वे स्वयं जैविक खेती करने के साथ.साथ जिले एवं आसपास के क्षेत्रों के किसानोंए विद्यार्थियोंए शासकीय संस्थानों और स्वयंसेवी संगठनों को प्रशिक्षण देकर प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक कर रहे हैं। उनके फार्म हाउस में जैविक खेती का लाइव प्रदर्शन भी किया जाता है।कार्यक्रम में बीटीएम आरती चौरसियाए बीआरसी राजेश सिंहए देवेंद्र कुमारए कंधी सिंहए चमन सिंहए सीआरपी सुनीता धुर्वेए शशि मरावीए मनीषा मालवेए प्रीतिए पार्वतीए दुर्गेश सिंहए बिहारी लाल साहूए आयुष साहू सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

डिंडौरी में सिविल डिफेंस वालंटियरों का सात दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

आपदा प्रबंधन बचाव कार्य एवं नागरिक सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की दी जा रही जानकारी

डिंडौरी। डायरेक्टर जनरल होमगार्डए नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधनए मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार जिले में 75 सिविल डिफेंस वालंटियरों के लिए सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम चरण 18 जून 2026 से प्रारंभ किया गया है। प्रशिक्षण का आयोजन होमगार्ड परिसर स्थित प्रशिक्षण बैरक में किया जा रहा है।प्रशिक्षण के प्रथम दिवस वालंटियरों का पंजीयन कर उन्हें नागरिक सुरक्षा संगठन की संरचनाए इतिहासए उद्देश्य एवं आवश्यकता के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही सिविल डिफेंस की 12 प्रमुख सेवाओंए सिविल डिफेंस एक्ट.1968ए सिविल डिफेंस नीति.2009 तथा आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न कानूनी प्रावधानों से अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण के दौरान आपदाओं की मूलभूत जानकारीए जोखिम न्यूनीकरण ;मिटिगेशनद्धए आपदा के समय सिविल डिफेंस वालंटियरों की भूमिकाए बचाव कार्य के सामान्य सिद्धांतए रेस्क्यू उपकरणों के उपयोग तथा विभिन्न परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली वैकल्पिक बचाव तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा भूकंपए बाढ़ए अग्निकांड जैसी संभावित आपदाओं से निपटने के उपायों की भी जानकारी दी गई।वालंटियरों को सर्पदंश से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्रदान की गईं जिसमें जहरीले एवं गैर.ज़हरीले सांपों की पहचानए काटने के निशानए प्राथमिक उपचार तथा सर्पदंश की स्थिति में क्या करें और क्या न करेंए जैसे विषय शामिल रहे।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सिविल डिफेंस वालंटियरों को आपदा प्रबंधन की आधारभूत जानकारी प्रदान कर उन्हें आपात परिस्थितियों में प्रभावी भूमिका निभाने के लिए तैयार करना है। प्रशिक्षण में आधुनिक युद्ध प्रणालीए मनोवैज्ञानिक युद्धए ड्रोन हमलेए एयर रेड सायरन सिस्टम तथा आगजनी की घटनाओं पर नियंत्रण संबंधी विषयों को भी शामिल किया गया है।प्रशिक्षण के माध्यम से जिले में संभावित आपदाओं के प्रभाव को कम करने तथा आपदा प्रबंधन तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

वन क्षेत्र में अधूरा तालाब निर्माण और सड़क कार्य पर उठे सवाल ग्रामीणों ने की जांच की मांग

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मौहारी में विकास कार्यों के क्रियान्वयन को लेकर ग्रामीणों ने अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत क्षेत्र के बीजा वनक्षेत्र में लगभग एक वर्ष पूर्व तालाब निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया थाए लेकिन लंबे समय बाद भी कार्य पूर्ण नहीं हो सका है।बताया जा रहा है कि तालाब का निर्माण रिजर्व फॉरेस्ट क्षेत्र में किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण के दौरान कुछ सरई के पेड़ भी काटे गएए जिनके अवशेष आज भी निर्माणाधीन स्थल पर देखे जा सकते हैं। निर्माण कार्य से संबंधित लागतए स्वीकृति एवं योजना की जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकीए क्योंकि कार्यस्थल पर कोई सूचना पटल नहीं लगाया गया है।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि मौहारी बड़े टोला में स्वीकृत सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण कार्य के नाम पर जनवरी माह में सामग्री क्रय संबंधी बिलों के आधार पर राशि आहरित कर ली गईए जबकि कार्य समय पर प्रारंभ नहीं हुआ। हालांकि बाद में मामला सामने आने के बाद सड़क निर्माण कार्य शुरू किए जाने की जानकारी मिली है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पंचायत में कराए गए विकास कार्यों की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच कराई जाए। उनका दावा है कि कई ऐसे कार्य हैं जिनका उल्लेख अभिलेखों में तो मिलता हैए लेकिन जमीनी स्तर पर उनकी स्थिति स्पष्ट नहीं है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।इधर मानसून की दस्तक से पहले भी तालाब निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। ऐसे में ग्रामीणों को आशंका है कि बारिश शुरू होने के बाद कार्य पूरा करना और अधिक कठिन हो सकता है।उपयंत्री ने बताया कि तालाब निर्माण कार्य लगभग एक वर्ष पुराना है। उन्होंने कहा कि उनका स्थानांतरण कुछ माह पूर्व ही यहां हुआ हैए इसलिए पूर्व की स्थिति की विस्तृत जानकारी उनके पास उपलब्ध नहीं है।

मानपुर-जयसिंहनगर मार्ग पर कार व बाइक की आमने-सामने भीषण भिड़ंत

मानपुर। रफ्तार के जानलेवा शौक और बेलगाम सडक़ों ने शनिवार की सुबह दो और पिताओं के बुढ़ापे का सहारा छीन लिया। मानपुर-जयसिंहनगर मार्ग (एसएच-10) पर शनिवार सुबह एक ऐसा खौफनाक सडक़ हादसा हुआ, जिसने भी देखा उसकी रूह कांप गई। मानपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत खुटार स्थित एक निजी फार्म हाउस के पास तेज रफ्तार कार और एक बाइक में आमने-सामने की इतनी जोरदार टक्कर हुई कि बाइक के परखच्चे हवा में उड़ गए। इस एक्सीडेंट में दो सगे दोस्तों की मौके पर और अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई, जबकि उनका एक अन्य साथी जिंदगी और मौत के बीच मेडिकल कॉलेज में जंग लड़ रहा है। हादसे के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया है और गोवर्दे गांव के घरों में चूल्हे तक नहीं जले हैं। मानपुर जनपद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम गोवर्दे (खैरभान टोला) के रहने वाले तीन जिगरी दोस्त एक ही बाइक पर सवार होकर किसी पारिवारिक रिश्तेदारी में गए हुए थे। शनिवार की सुबह तीनों युवक वापस अपने गांव लौट रहे थे। उन्हें क्या मालूम था कि मौत चंद कदमों की दूरी पर उनका रास्ता रोके खड़ी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक अपने घर से महज डेढ़ से दो किलोमीटर की दूरी पर ही थे कि खुटार फार्म हाउस के पास सामने से काल बनकर आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

सडक़ पर बहा खून

हादसा इतना भीषण था कि टक्कर लगते ही बाइक सवार तीनों युवक हवा में करीब 15 फीट ऊपर उछले और पत्थरों की तरह सडक़ पर दूर जा गिरे। बाइक का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग सहम गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सडक़ पर चारों तरफ खून ही खून बिखर गया। चीख-पुकार सुनकर दौड़े स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को फोन घुमाया और अपनी गाडिय़ों से घायलों को अस्पताल पहुंचाने की जद्दोजहद में जुट गए।

दो परिवारों के बुझाए चिराग, एक की सांसें अटकीं

इस हादसे में रामकेश केवट पिता रामभजन केवट, निवासी गोवर्दे के सिर पर इतनी गंभीर चोट आई कि उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, दूसरे गंभीर रूप से घायल युवक प्रदीप केवट मुन्ना केवट, उम्र लगभग 30 वर्ष को जब तक एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया जाता, उसकी सांसों ने रास्ते में ही साथ छोड़ दिया। डॉक्टरों ने अस्पताल पहुंचते ही दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल तीसरे युवक हिमांशु केवट पिता उमेश केवट, उम्र लगभग 26 वर्ष की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर में प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर कर दिया है, जहां वह जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहा है।

सडक़ों पर दौड़ते यमदूतों पर कब लगेगा लगाम

घटना की भयावहता की खबर मिलते ही मानपुर थाना पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है। शुरुआती जांच में हादसे की मुख्य वजह कार की अत्यधिक तेज रफ्तार और लापरवाही को माना जा रहा है। इस हृदयविदारक घटना के बाद गोवर्दे और आसपास के ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि मानपुर-जयसिंहनगर मार्ग पर वाहनों की रफ्तार पर कोई नियंत्रण नहीं है। सडक़ें डेथ जोन बन चुकी हैं और आए दिन मासूम लोग इन बेलगाम वाहनों का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से

मांग की है कि इस मार्ग पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं और ओवरस्पीडिंग करने वाले यमदूतों पर सख्त से सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, रविवार 21 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

सुचारू विद्युत आपूर्ति के लिए मेंटनेंस जारी

तेंदूखेड़ा। इन दिनों विद्युत वितरण केंद्र डोभी अंतर्गत मेहगुवां डीएल फीडर पर विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुरक्षित बनाए रखने हेतु आवश्यक मेंटेनेंस कार्य किया जा रहा है। जिससे विद्युत लाइन के समीप विद्युत आपूर्ति में बाधा उत्पन्न वाली वृक्षों की शाखाओं की कटाई की जा रही है।तथा झूलते हुए विद्युत तारों को कसकर व्यवस्थित किया जा रहा है। वितरण केंद्र प्रभारी हमारे प्रतिनिधि को बताया कि नियमित मेंटेनेंस कार्यों से विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ती है। तथा संभावित विद्युत व्यवधानों में कमी आती है। एवं बरसात के पूर्व डोभी विद्युत वितरण केंद्र के अंतर्गत पूर्ण कोशिश की जा रही है कि विद्युत व्यवस्था सुचारू चल सके। इस कार्य के पूर्ण होने से क्षेत्र के समस्त उपभोक्ताओं को निर्बाध सुरक्षित एवं बेहतर गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति प्रदान करने में सहायता मिलेगी।

मप्र विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन, नरसिंहपुर शाखा का तृतीय स्थापना दिवस समारोह संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन, शाखा नरसिंहपुर का तृतीय स्थापना दिवस समारोह 19 जून 2026 को गायत्री मंदिर परिसर में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि अधीक्षण अभियंता (संचा एवं संधा) वृत्त नरसिंहपुर नीलाभ श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त मुख्य महाप्रबंधक ए.के. शर्मा ने की, जबकि सेवानिवृत्त मुख्य महाप्रबंधक व्ही.के. जैन, कार्यपालन अभियंता विवेक जशेले तथा मेडसेव स्वास्थ्य लाभ योजना के जबलपुर क्षेत्र प्रभारी आशुतोष तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शाखा द्वारा विगत तीन वर्षों में पेंशनर्स एवं परिवार पेंशनर्स के हित में किए गए कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें 80 से अधिक पेंशन प्रकरणों के निराकरण, परिवार पेंशन, जीवन प्रमाण-पत्र एवं अन्य समस्याओं के समाधान तथा पेंशनर्स हितों में किए गए प्रयासों की जानकारी दी गई। स्थापना दिवस को विद्युत पेंशनर्स सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए मेडसेव स्वास्थ्य लाभ योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य बीमा एवं कैशलेस चिकित्सा सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। आशुतोष तिवारी ने ओपीडी, आईपीडी, चिकित्सा प्रतिपूर्ति एवं कैशलेस उपचार व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित पेंशनर्स एवं परिवार पेंशनर्स की जिज्ञासाओं का समाधान किया। मुख्य अतिथि नीलाभ श्रीवास्तव ने पेंशनर्स के हितों से जुड़े विषयों पर सहयोग का आश्वासन दिया, जबकि अध्यक्ष ए.के. शर्मा तथा विशिष्ट अतिथियों व्ही.के. जैन एवं विवेक जशेले ने संगठन की सक्रियता एवं सेवा कार्यों की सराहना की। प्रांतीय संगठन सचिव हरप्रसाद कहार, जी.के. चतुर्वेदी, एस.एल. रघुवंशी, अशोक गुप्ता, ऋषिकुमार महोबिया, अरुण खरे सहित अन्य पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती, सदस्य सहभागिता एवं पेंशनर्स कल्याण से जुड़े विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर शाखाध्यक्ष बी.एस. पटेल की अनुमति से ऋषिकुमार महोबिया को शाखा का मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया।

पत्रकारिता ने समाज को सूचना एवं चेतना देने का काम किया

पत्रकारिता समाज का दर्पण है - कैलाश सोनी

तस्वीरें बोलती है पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हिन्दी अकादमी एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर द्वारा दीप्ति कुशवाह (पुणे) द्वारा संकल्पित और निर्मित पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कैलाश सोनी पूर्व राज्यसभा सांसद के मुख्य आतिथ्य, पं. मैथिलीशरण तिवारी वरिष्ठ समाज सेवी की अध्यक्षता, समाजसेवी सुनील कोठारी, डॉ. सुधीर सिंघई डॉ. अशोक कुमार गर्ग, प्राचार्य तथा साहित्यकार अजय तुलसी की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कैलाश सोनी ने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण है तथा पत्रकारिता ने समाज को सूचना एवं चेतना देने का काम किया है। आपने सतयुग से लेकर वर्तमान तक पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम अध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी ने पत्रकारिता को साहस, निष्पक्षता, समाजसेवा का पर्याय बताते हुए युवा पीढ़ी को सीख लेने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि सुनील कोठारी ने पत्रकारिता को समाजहित में उपयोगी निरूपित करते हुए सजगता का प्रहरी बताया। दीप्ति कुशवाह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा और प्रदर्शनी की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नरसिंहपुर उनका मायका है और यह प्रदर्शनी उनके लिए अपनी जन्मभूमि को आभार कहने का भावुक अवसर है। दीप्ति कुशवाह इस प्रदर्शनी का आयोजन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, दिल्ली और नागपुर में भी कर चुकी हैं। वे नरसिंहपुर के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. जे. एल. पटेल की पुत्री हैं।अतिथियों ने पोस्टर प्रदर्शनी का जिज्ञासापूर्वक अवलोकन किया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन, दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। सहायक प्राध्यापक सुश्री दीक्षा केवट सुमधुर सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में आभार प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग तथा संचालन हिन्दी अकादमी निदेशक श्रीमती आराधना दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती संध्या कोठरी, इंजी. रूद्रेष तिवारी, पुनीत त्रिवेदी, जगदीश नेमा, सुबोध शर्मा, श्रीमती समता सोनी, अरुण अवधिया, एड. रचित तिवारी, महेन्द्र सिंह, शरद उमरे, संदीप पटेल, जी.एस. पटेल, श्रीमती ज्योति पटेल, कु. दर्षिका पटेल, श्रीमती नीलू कुशवाहा, डॉ. एस.एन. राव, श्रीमती अनीता रघुवंषी, डॉ. दीपिका शर्मा, जी.डी. उमरे सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रहीं।

पुरानी नियुक्तियों पर नए नियम थोपना प्राकृतिक न्याय के खिलाफ

सांसद लता वानखेड़े को सौंपा ज्ञापन,

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। वर्ष 2010 से पहले नियुक्त लाखों शिक्षकों के भविष्य पर संकट के चलते शिक्षकों का आंदोलन तेज हो गया है। इसी क्रम में विगत दिवस शासकीय पीएम श्री एमएलबी स्कूल, नरसिंहपुर में मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने लोकसभा क्षेत्र सागर सांसद श्रीमती लता वानखेड़े एवं नर्मदापुरम-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि नीतिराज सिंह पटेल के नरसिंहपुर आगमन पर मप्र शिक्षक संघ नरसिंहपुर ने भेंट कर वार्ता की और टीईटी परीक्षा अनिवार्यता मुद्दे पर संज्ञान लेकर विधान में संशोधन एवं अध्यादेश लाने अनुरोध पत्र के लिए ज्ञापन सौंपा।

रिव्यू पिटीशन के लिए पत्र लिखने जताया आभार

सांसद चैधरी दर्शन सिंह द्वारा रिव्यू पिटिशन सर्वोच्च न्यायालय में दायर करने शासन को लिखे गए पत्र और मध्य प्रदेश शासन द्वारा न्यायालय में रखे गए पक्ष के लिए आभार जताया ,साथ ही विश्वास जताया कि आगामी मानसून सत्र में भारत सरकार द्वारा शिक्षकों के हित में बड़ा निर्णय लेकर टीईटी परीक्षा अनिवार्यता मुद्दे पर विधान संशोधन किया जाएगा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 23 अगस्त 2010 को ज्म्ज् की अनिवार्यता लागू हुई, जबकि इन शिक्षकों की नियुक्तियां उस समय के नियमों व योग्यता मानदंडों के तहत पूरी तरह वैध रूप से हुई थीं। दशकों से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे शिक्षकों पर अब ज्म्ज् थोपना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के खिलाफ है। संगठन का कहना है कि 29 मई 2026 को आए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से शिक्षकों में भारी असुरक्षा व्याप्त है। विधिक व्यवस्था का नियम है कि कोई भी नीति घोषणा की तिथि से प्रभावी होती है। पुरानी नियुक्तियों पर नए मानदंड थोपना न्यायविरुद्ध है।

सांसद का आश्वासन

सांसद श्रीमती लता वानखेड़े ने शिक्षकों की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि वे इस मुद्दे को संसद में पुरजोर तरीके से उठाएंगी और केंद्र सरकार तक शिक्षकों की पीड़ा पहुंचाएंगी।

इस अवसर पर म.प्र. शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष सत्यप्रकाश त्यागी, सचिव कमलेश श्रीवास्तव वरिष्ठ पदाधिकारी पी ए खान,रामप्रकाश दुबे,नगर की शिक्षण संस्थाओं में पदस्थ शिक्षिकाएं सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

बाउंड्रीवॉल नहीं तो पानी भी नहीं, चिरचिटा के स्कूल में लाखों का पेयजल स्टैंड बना कबाड़

गोटेगांव। तहसील क्षेत्र के ग्राम चिरचिटा स्थित शासकीय विद्यालय में लाखों रुपये की लागत से निर्मित पेयजल स्टैंड अनुपयोगी बना हुआ है। बाउंड्रीवॉल नहीं होने के कारण स्कूल परिसर में असामाजिक तत्वों का आवागमन बना रहता है, जिससे पेयजल स्टैंड पर लगे नल तोड़ दिए गए हैं और अब यह व्यवस्था पूरी तरह बंद पड़ी है। भीषण गर्मी में विद्यार्थियों को पेयजल के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बच्चे घर से पानी लाने को मजबूर हैं, जबकि कुछ को प्यासे ही समय बिताना पड़ता है। अभिभावकों ने इसे बच्चों की सेहत के साथ खिलवाड़ बताते हुए नाराजगी जताई है।

बाउंड्रीवॉल और पेयजल व्यवस्था बहाल करने की मांग

ग्रामीणों और अभिभावकों ने प्रशासन से स्कूल परिसर में बाउंड्रीवॉल निर्माण कराने तथा क्षतिग्रस्त पेयजल स्टैंड की मरम्मत कर विद्यार्थियों के लिए पेयजल सुविधा तत्काल बहाल करने की मांग की है। उनका कहना है कि सुरक्षा के अभाव में सरकारी योजनाओं का लाभ बच्चों तक नहीं पहुंच पा रहा है।

करकबेल में नाली निर्माण में बड़ी लीपापोती, घटिया मटेरियल से बन रही नाली

गोटेगांव। विकासखंड की ग्राम पंचायत करकबेल में दुर्गा चौराहे से करकबेल बस्ती की ओर निर्माणाधीन पक्की नाली के कार्य में गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों ने आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि नाली निर्माण में सीमेंट, रेत और अन्य सामग्री का पर्याप्त उपयोग नहीं किया जा रहा है, जिससे इसकी मजबूती पर संदेह पैदा हो गया है। लोगों का आशंका है कि कमजोर निर्माण के कारण नाली पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त हो सकती है।

उच्च स्तरीय जांच की मांग

स्थानीय नागरिकों ने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य की मौके पर जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि निर्माण कार्य की निगरानी कर गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए, ताकि सरकारी धन का सही उपयोग हो सके और ग्रामीणों को स्थायी सुविधा मिल सकें

गोटेगांव में मौत बांट रही सड़क! उड़ती गिट्टियों से लहूलुहान हो रहे लोग, धूल के गुबार में घुट रहा दम

गोटेगांव। नगर पालिका क्षेत्र की प्रमुख सड़क फुआरा चौक से टॉकीज, रिपटा रोड होते हुए भगतराम चौराहा तक बदहाली का शिकार हो चुकी है। कभी विकास की पहचान रही यह सड़क अब लोगों के लिए खतरा बन गई है। सड़क की ऊपरी परत उखड़ जाने से जगह-जगह बड़े गड्ढे बन गए हैं और निकली हुई गिट्टियां राहगीरों व वाहन चालकों के लिए मुसीबत बन रही हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार वाहनों के गुजरने पर गिट्टियां उछलकर दुकानों, घरों और राहगीरों को चोट पहुंचा रही हैं। कई लोग मामूली रूप से घायल भी हो चुके हैं। वहीं, सड़क से उठने वाले धूल के गुबार ने आसपास के दुकानदारों और रहवासियों का जीना मुश्किल कर दिया है। दिनभर घरों और दुकानों में धूल भरने से लोग श्वास एवं आंखों से संबंधित परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

नगर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल इस सड़क से प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है। नागरिकों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद नगर पालिका द्वारा मरम्मत कार्य नहीं कराया गया।

सड़क मरम्मत की मांग तेज

स्थानीय लोगों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शीघ्र सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही सुधार कार्य शुरू नहीं हुआ तो नागरिक आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

योग दिवस की पूर्व संध्या पर योगाभ्यास एवं राजयोग ध्यान

तेंदूखेड़ा। 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय तेंदूखेड़ा द्वारा योग एवं राजयोग ध्यान का आयोजन किया गया।इस मौके पर बीके प्रीति दीदी ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं बल्कि मानसिक शांति आत्मिक सशक्तता और श्रेष्ठ जीवन शैली का आधार है। उन्होंने नियमित योग एवं ध्यान को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया।इस अवसर पर योगा ट्रेनर श्रीमती आरती पटेल द्वारा उपस्थित भाई बहनों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया तथा नियमित योग के लाभों से अवगत कराया।बीके पुरुषोत्तम भाई ने योग और योगा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि योग मन बुद्धि और आत्मा को परमात्मा से जोड़ने की एक श्रेष्ठ जीवन पद्धति है प्राचीन काल मे ऋषि मुनि योग ध्यान किया करते थे जिससे उनको आत्म जाग्रति आत्म ज्ञान व एकाग्रता की प्राप्ति होती थी। और मन की एकाग्रता ही सफलता की सीढ़ी है। बीके प्रीति दीदी ने राजयोग ध्यान की अनुभूति कराकर सभी को आंतरिक शांति एवं सकारात्मकता का संदेश दिया। 12 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वथ्य और सक्रिय वृद्धावस्था के लिए के बारे बताते हुए योग कार्यक्रम का समापन स्वस्थ सुखी एवं नशामुक्त समाज के निर्माण के संकल्प व प्रभु प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

बदहाली के आंसू रो रहा तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रहीं व्यवस्थाएं

तीन जिलों के मरीजों का भार पर इलाज के लिए अस्पताल में एकमात्र डॉक्टर 24 घंटे ड्यूटी करने को मजबूर

वर्षों से नहीं है महिला रोग विशेषज्ञ चुनावी घोषणाओं में ही सिमट कर रह गईं स्वास्थ्य सुविधाएं

तेंदूखेड़ा। मानव जीवन के लिए रोटी कपड़ा और मकान जितनी बुनियादी जरूरतें हैं। उतनी ही अपरिहार्य आवश्यकता स्वास्थ्य और शिक्षा की भी है। लेकिन तहसील मुख्यालय तेंदूखेड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाली को देखकर ऐसा लगता है कि प्रशासन ने यहां के नागरिकों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। यह अस्पताल लंबे समय से डॉक्टरों और सहयोगी स्टाफ की भारी कमी से जूझ रहा है। आलम यह है कि पूरे अस्पताल का दारोमदार केवल एकमात्र रेगुलर डॉक्टर के कंधों पर है। जो लगातार 24 घंटे सेवाएं देने को मजबूर हैं।

स्टाफ का टोटा कागजों में स्वीकृत पद जमीन पर सन्नाटा

अस्पताल में स्वीकृत पदों और वर्तमान में तैनात स्टाफ के आंकड़े आश्चर्य चकित चौंकाने वाले हैं। जो अस्पताल खुद बीमार हो वह मरीजों का इलाज कैसे करेगा?

स्टाफ की वास्तविक स्थिति पर एक नजरः

मेडिकल ऑफिसर रेगुलर जरूरत 03 की तैनात सिर्फ 01 मेडिकल ऑफिसर बॉन्ड जरूरत 04 की तैनात कोई नहीं। स्त्री रोग विशेषज्ञ जरूरत 01 की तैनात एक भी नहीं।पिछले 40 वर्षों से पद खाली है।स्टाफ नर्स जरूरत 08 की तैनात सिर्फ 02 इनमें से भी एक अर्जित अवकाश और दूसरी मातृत्व अवकाश पर हैं। ड्रेसर जरूरत 03 की है लेकिन तैनात एक भी नहीं।फार्मासिस्ट जरूरत 02 की तैनात सिर्फ 01 वार्ड बॉय जरूरत 03 की तैनात सिर्फ 01 एएनएम जरूरत 10 की तैनात सिर्फ 06 वाहन चालक ड्राइवर जरूरत 01 की तैनात एक भी नहीं।चपरासी जरूरत 01 की तैनात कोई नहीं।स्वीपर रेगुलर आउटसोर्स कुल जरूरत 07 की तैनात सिर्फ 04 हैं।

तीन जिलों के मरीजों का भरोसा पर सुविधाएं नगण्य

तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहां केवल स्थानीय ही नहीं बल्कि पड़ोसी जिले सागर और रायसेन के सुदूर आदिवासी अंचलों से भी बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए आते हैं। सुगमता की दृष्टि से यह केंद्र बेहद महत्वपूर्ण है। मानसून की शुरुआत हो चुकी है ऐसे में मौसमी और संक्रामक बीमारियां तेजी से पैर पसार रही हैं इस संवेदनशील समय में डॉक्टरों और स्टाफ का न होना क्षेत्र के लिए किसी बड़े खतरे से कम नहीं है। गंभीर स्थिति होने पर मरीजों को मजबूरन सागर भोपाल जबलपुर या नागपुर जैसे बड़े शहरों की दौड़ लगानी पड़ती है। जिससे गरीब मरीजों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।

चार दशकों से महिला डॉक्टर का इंतजार सिर्फ चुनावों के समय आती है याद

इस स्वास्थ्य केंद्र में सागर और रायसेन जिले के आदिवासी बाहुल्य इलाकों से गर्भवती महिलाएं डिलीवरी के लिए आती हैं। यहां तैनात कुछ स्टाफ नर्सों के अनुभव के भरोसे ही प्रसव कार्य हो पा रहा है। विडंबना देखिए कि पिछले लगभग चार दशकों से यहां कोई महिला विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं है। हर चुनाव में राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव बीतते ही वादे ठंडे बस्ते में चले जाते हैं।

बजट आया पर वापस लौट गया

क्षेत्र के प्रबुद्ध वर्ग का आरोप है कि तेंदूखेड़ा के साथ हमेशा से भेदभाव पूर्ण रवैया अपनाया जाता रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गत वर्ष तेंदूखेड़ा में अस्पताल के नए भवन के लिए राशि स्वीकृत हुई थी और जमीन का सीमांकन भी कर लिया गया था। लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के कारण वह निर्माण राशि बिना उपयोग के वापस लौट गई। जिससे नए भवन का काम लटक गया।

जनहित में सिविल अस्पताल की मांग

स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध वर्ग ने शासन-प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि क्षेत्र की बढ़ती जनसंख्या और भौगोलिक महत्ता को देखते हुए यहां तुरंत पर्याप्त डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति की जाए। स्वास्थ्य केंद्र की बदहाली को दूर कर इसे शीघ्र ही सिविल अस्पताल के रूप में अपग्रेड किया जाए ताकि लोगों को समय पर जीवनदान मिल सके।

जिनवाणी दिवस पर निकाली शोभायात्रा

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस श्रुत पंचमी पर जैन धर्म के प्रथम ग्रन्थ श्री षट्खण्डागम के रचना का पावन दिवस दिगम्बर जैन समाज डोभी द्वारा बड़ी धूम धाम से मनाया गया। जैन मंदिर में सुबह श्री जी का अभिषेक शांति धारा एवं पूजन उपरांत समस्त जैन समाज द्वारा जिनवाणी दिवस के अवसर पर जिनवाणी माता को सिर पर रख कर विशाल शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें दिगम्बर जैन समाज के सभी स्वाजातीय विशेष वेशभूषा में शामिल रहे।